भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 29 APRIL 2026

जेवर एयरपोर्ट एक सप्ताह में तय होंगी टिकटों की दरें

एएसपी को मंजूरी, अगले माह से उड़ानें

यमुना सिटी। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बकास) ने सोमवार को नोएडा एयरपोर्ट के एयरोड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) मंजूरी दे दी। मंजूरी मिलने के बाद उड़ानों के संचालन शुरू करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। एयरपोर्ट प्रबंधन एयरलाइंस के साथ बैठक करके टिकट दर तय करेगा। यह काम एक सप्ताह तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद टिकट बुकिंग शुरू हो जाएगी। माना जा रहा है कि इससे अगले महीने उड़ानें शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है।

एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मंजूरी के साथ यह पुष्टि हो गई है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था, प्रक्रियाएं और मानक सभी नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। शुरुआत में 17 फ्लाइट्स उड़ेंगी : एयरलाइंस कंपनियों ने शुरुआत में 17 फ्लाइट्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने इंडिगो, आकासा और एयर इंडिया को फ्लाइटें शुरू करने की की तैयारी करने के लिए कह दिया है।

> हमारी प्राथमिकता सभी सिस्टम, प्रक्रियाओं और कर्मचारियों को पूरी तरह तैयार रखना है, ताकि एयरपोर्ट संचालन की शुरुआत सुरक्षित, प्रभावी और यात्रियों के लिए सहज अनुभव के साथ हो सके। **-नोएडा एयरपोर्ट प्रबंधन**

विमानों के लिए 25 नए स्टैंड बनेंगे : एयरपोर्ट पर अगले दो वर्षों में विमानों को खड़ा करने के लिए 25 नए स्टैंड बनेंगे। इस पर करीब 300 करोड़ का खर्च होंगे। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 29 APRIL 2026

एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम को मंजूरी अगले महीने से शुरू हो जाएंगी उड़ानें

नोएडा एयरपोर्ट : विमानन कंपनियां उड़ान शुरू करने की कर रहीं तैयारियां, ऑनलाइन बुक होंगे टिकट

यमुना सिटी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अगले महीने उड़ानें शुरू हो सकती हैं। एयरपोर्ट को एयरोड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) के लिए ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी यानी बकास से मंजूरी मिल गई है। यह एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में अहम पड़ाव है।

नोएडा एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मंजूरी के साथ यह पुष्टि हो गई है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था, प्रक्रियाएं और मानक सभी नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। इससे एयरपोर्ट की ऑपरेशनल रेडीनेस को भी मजबूती मिली है। प्रबंधन ने बताया कि अब एयरलाइंस कंपनियों और अन्य साझेदार एजेंसियों के साथ मिलकर व्यावसायिक उड़ानों की शुरुआत के लिए आपसी सहमति से तारीख तय की जाएगी।

विमानों के लिए 25 नए स्टैंड बनेंगे : यापल की बोर्ड बैठक में निर्णय लिया गया है कि एयरपोर्ट पर अगले दो वर्षों में विमानों को खड़ा करने के लिए 25 नए स्टैंड बनेंगे। इस पर करीब 300 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। वहीं, वर्तमान में 28 स्टैंड बनकर तैयार हैं। इनमें तीन कार्गो और 25 व्यावसायिक विमानों के लिए हैं। इसके अलावा एयरपोर्ट पर 10 एयरोब्रिज को जोड़ा गया है। साथ ही एयरपोर्ट के रनवे को हर घंटे लगभग 30 विमान टेकऑफ और लैंडिंग की क्षमता के साथ तैयार किया गया है।

एआई तस्वीर

28 मार्च को नोएडा एयरपोर्ट का हुआ था लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को इस हवाईअड्डे का उद्घाटन किया था। यहां घरेलू और कार्गो टर्मिनल बनकर तैयार है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का काम जारी है। पहले चरण में एयरपोर्ट को 1334 हेक्टेयर में पूरा किया गया है। इसमें 3900 मीटर लंबा पहला रनवे, यात्री टर्मिनल, एटीसी, कार्गो हब शामिल है।

हमारी प्राथमिकता सभी सिस्टम, प्रक्रियाओं और कर्मचारियों को पूरी तरह तैयार रखना है, ताकि एयरपोर्ट संचालन की शुरुआत सुरक्षित, प्रभावी और यात्रियों के लिए सहज अनुभव के साथ हो सके। यापल उड़ान शुरू करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। मई के अंत तक उड़ान शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

-नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट प्रबंधन

शुरुआत में 17 फ्लाइट उड़ेंगी

एयरलाइंस कंपनियों ने शुरुआत में एयरपोर्ट से 17 फ्लाइट्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। मंजूरी के बाद अब टिकट बुकिंग सेवा शुरू करने की प्रक्रिया को भी अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन ने इंडिगो, आकासा और एयर इंडिया को अपनी फ्लाइटें शुरू करने की प्रक्रिया की तैयारी करने के लिए कह दिया है। अब तीनों कंपनियां शेड्यूल बनाकर फ्लाइट की टिकट ऑनलाइन प्रदर्शित करेंगी। इस कदम से विमानों में यात्रा करने के इच्छुक लोगों को आसानी रहेगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 29 APRIL 2026

'हब ऐंड स्पोक' डेस्टिनेशन के लिए सरकार के साथ ...

नवी मुंबई हवाई अड्डा कर रहा बात

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 28 अप्रैल

अदाणी द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईएएल) अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के लिए इसे 'हब और स्पोक' डेस्टिनेशन के तौर पर चलाने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। मामले से अवगत लोगों के मुताबिक बातचीत काफी आगे बढ़ गई है।

इस कदम से एनएमआईएएल को नागरिक विमानन मंत्रालय के साथ तय किए गए अपने विकास लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है। एनएमआईएएल का लक्ष्य वर्ष 2026-27 , जो उसके संचालन का पहला पूरा साल होगा, में 1.1 करोड़ यात्रियों को सेवा मुहैया कराना है। उसका इरादा इसे वित्त वर्ष 2028 तक बढ़ाकर 2 करोड़ तक पहुंचाना है, जो दुनिया के किसी भी हवाई अड्डे के लिए सबसे तेज बढ़ोतरी दर में से एक है। इस तरह से यह हवाई अड्डा पहले ही चरण में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर लेना चाहता है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो यह हब इस सर्दियों तक चालू हो सकता है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दिल्ली को देश के पहले हब एयरपोर्ट के तौर पर पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके 1 जून से शुरू होने की उम्मीद है। यह राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक देश को भारतीय यात्रियों के लिए और 2047 तक पूरी दुनिया के लिए पसंदीदा एविएशन हब बनाना है। बेंगलूरु और यहां तक कि राजकोट जैसे कुछ अन्य हवाई अड्डों को भी हब बनाने पर विचार किया जा रहा है।

योजना का मकसद उस 'ट्रांसफर ट्रैफिक' को वापस लाना है, जो अब तक दुबई, दोहा, लंदन, फ्रैंकफर्ट जैसे वैश्विक केंद्रों का इस्तेमाल करता रहा है। इसके बजाय वे देश के ही हवाई अड्डों का इस्तेमाल करेंगे। सरकार के कराए एक अध्ययन से पता चला है कि इस पूरी कवायद का उद्देश्य उस मौजूदा रुझान को बदलना है, जिसके तहत भारत से जाने वाले 35 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय यात्री दुबई, लंदन और सिंगापुर जैसे विदेशी शहरों से होकर गुजरते हैं।

'हब ऐंड स्पोक' मॉडल देश में छोटे शहरों से यात्रियों को हब एयरपोर्ट तक पहुंचने और वहां से आसानी से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ने में सक्षम बनाता है। इसके लिए उन्हें अपना सामान दोबारा लेने, उसे फिर से चेक-इन करने या कस्टम्स से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ती। जब वे देश वापस आते हैं, तो यह प्रक्रिया उलट जाती है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 29 APRIL 2026

NMIAL in talks with govt for global hub status

Hub-and-spoke model may help airport capture transfer traffic

SURAJEET DAS GUPTA
New Delhi, 28 April

Adani-run Navi Mumbai International Airport (NMIAL) is in advanced discussions with the government to operate as a "hub-and-spoke" destination for international air travel, according to stakeholders aware of the development.

The move is expected to help NMIAL achieve its ambitious growth targets discussed with the Ministry of Civil Aviation — serving 11 million passengers in 2026-27, its first full year of operations, and scaling that up to 20 million in 2027-28, among the fastest growth trajectories for an airport globally, exhausting its first-phase capacity (the airport will eventually have a total capacity of 90 million). If things work out, the hub could be operational this winter.

The Ministry of Civil Aviation has already cleared Delhi as the country's first hub airport, with operations expected to begin from June 1. It is part of the National Civil Aviation Policy's aim to make India the aviation hub of choice for Indian passengers by 2030 and for the world by 2047. Other airports being considered as hubs include Bengaluru and even Rajkot.

The plan envisages bringing back transfer traffic that currently uses global hubs such as Dubai, Doha, London, and Frankfurt, redirecting it through Indian airports instead. A government study shows the idea is to reverse the current trend under which 35 per cent of India's international travellers transit through foreign cities such as Dubai, London, and Singapore.

On flight path to transit hub gateway

- Expects the push to help it handle 11 million passengers by FY27 and 20 million by FY28
- NMIAL is handling between 17,000 and 20,000 passengers a day, though currently limited to domestic operations
- Projects 15-20% of flights at NMIAL would be international Airlines such as IndiGo already linking smaller cities to NMIAL to support seamless overseas travel

The hub-and-spoke model allows travellers from smaller cities to fly to hub airports and seamlessly connect to international destinations without having to collect baggage, recheck it, or clear Customs again. The reverse would apply on inbound journeys as well.

NMIAL, based on its discussions with the aviation ministry, is already handling between 17,000 and 20,000 passengers a day, though currently limited to domestic operations. By September, however, it is expected to roll out international flights, with talks underway with global as well as homegrown carriers.

Its traffic plan envisages around 15-20 per cent of flights being international, with the rest domestic. It is also expecting a substantial ramp-up in domestic flights in the winter schedule of 2026.

Those involved in discussions to make NMIAL a hub airport argue that, by estimates, one would need four to five feeder flights for every international widebodied aircraft arriving at or departing from Navi Mumbai airport, and that the airport has no capacity constraints. By contrast, the existing Mumbai airport — Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport, also run by Adani — can largely operate only point-to-point services, given its single runway and limited scope for expansion.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 29 APRIL 2026

नोएडा एयरपोर्ट पर दिल्ली की तुलना में पांच गुना तेज होगी बैगेज जांच

■ देवेंद्र सिंह

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : भारत का सबसे आधुनिक '10 मिनट टर्मिनल' तैयार
- डिजीयात्रा से पेपरलेस यात्रा और एआई सुरक्षा का नया मॉडल
- एयरपोर्ट की उन्नत तकनीक यात्रियों को देगी तेज, सुविधाजनक और सुरक्षित अनुभव

ग्रेटर नोएडा, 28 अप्रैल (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के जेवर में स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डीएक्सएन) अब भारत के एविएशन सेक्टर में एक नया बेंचमार्क स्थापित करने जा रहा है। मार्च 2026 में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन के बाद यह एयरपोर्ट पूरी तरह डिजिटल, कॉन्टैक्टलेस और पेपरलेस सुविधाओं से लैस है। यहां इमिग्रेशन, सिक्योरिटी चेकिंग, लगेज हैंडलिंग और अन्य प्रक्रियाओं में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल यात्रियों को मात्र 10 मिनट में एंट्री से बोर्डिंग तक का अनुभव देगा।

दिल्ली के मौजूदा एयरपोर्ट की तुलना में बैगेज जांच पांच गुना तेज होने की उम्मीद है। यह एयरपोर्ट न सिर्फ यात्री सुविधा बल्कि सुरक्षा और सस्टेनेबिलिटी के मामले में भी विश्व स्तर का है। 3,900 मीटर लंबी ऑल-वेदर रनवे, कैट-3 नेविगेशन सिस्टम और नेट-जीरो कार्बन लक्ष्य के साथ यह भविष्य की यात्रा का प्रतीक बन गया है।

डिजीयात्रा और बायोमेट्रिक फेशियल रिकग्निशन : चेहरा बनेगा बोर्डिंग पास

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भारत का पहला 'फुली डिजिटल एयरपोर्ट' है, जहां डिजौयात्रा को पूरी तरह एकीकृत किया गया है। यात्री अब फिजिकल टिकट, मोबाइल बोर्डिंग पास या आईडी प्रूफ दिखाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एंट्री गेट, चेक-इन, सिक्योरिटी चेक और बोर्डिंग गेट पर फेशियल रिकग्निशन कैमरे चेहरे को स्कैन करके पहचान करेंगे। स्वचालित ई-गेट्स यात्रियों को बिना रुके अंदर जाने देंगे। रजिस्टर्ड यात्रियों के लिए फेस स्कैन ही बोर्डिंग पास का काम करेगा।

यह सिस्टम पेपरलेस और कॉन्टैक्टलेस यात्रा सुनिश्चित करता है, जिससे लंबी कतारें खत्म हो जाएंगी। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, यह तकनीक न सिर्फ समय बचाएगी बल्कि मानवीय हस्तक्षेप को भी कम करेगी।

सेल्फ चेक-इन और ऑटोमेटेड बैगेज ड्रॉप : लंबी कतारों का अंत

एयरपोर्ट में 48 चेक-इन काउंटर और 20 सेल्फ बैगेज ड्रॉप स्टेशन हैं। यात्री सेल्फ चेक-इन कियोस्क का इस्तेमाल करके खुद अपनी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। ऑटोमेटेड बैग ड्रॉप (एबीडी) सिस्टम यात्रियों को अपना सामान खुद ड्रॉप करने की सुविधा देगा।

सीमेंस वेरियो ट्राय जैसी हाई-स्पीड बैगेज हैंडलिंग टेक्नोलॉजी लगाई गई है, जो बैग को तेजी से स्कैन और सॉर्ट करेगी। यात्री ऐप या स्क्रीन के जरिए रीयल-टाइम में अपना लगेज ट्रैक कर सकेंगे। अधिकारियों का दावा है कि दिल्ली के अन्य एयरपोर्ट्स की तुलना में यहां बैगेज जांच 5 गुना तेज होगी, जिससे मिस्ड कनेक्शन या खोए सामान का खतरा काफी कम हो जाएगा।

इमिग्रेशन और सिक्योरिटी चेकिंग : एआई और मल्टी-लेयर सुरक्षा

- इमिग्रेशन प्रक्रिया को भी डिजिटल बनाया गया है। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम और ऑटोमेटेड गेट्स का इस्तेमाल होगा।
- सुरक्षा के मामले में एयरपोर्ट 5-स्तरीय सुरक्षा घेरा (फाइव टायर सिक्योरिटी रिंग) अपनाएगा-
- बाहरी पेरिमीटर पर स्मार्ट पेरिमीटर सिक्योरिटी सिस्टम।
- एआई-पावर्ड सीसीटीवी कैमरे हजारों की संख्या में लगाए गए हैं, जो फेशियल रिकग्निशन और रीयल-टाइम थ्रेट डिटेक्शन करेंगे।
- क्रैश बोलार्ड्स, टायर किलर्स और एंटी-ड्रोन सिस्टम जैसी अत्याधुनिक व्यवस्थाएं।
- सीआईएसएफ के 1,000 से अधिक जवान लेयर्ड सिक्योरिटी सुनिश्चित करेंगे।
- यह सिस्टम अनधिकृत प्रवेश को लगभग असंभव बना देगा और यात्री फ्लो को सुगम रखेगा।
- अन्य आधुनिक सुविधाएं और सस्टेनेबिलिटी

5जी-इनेबल्ड इंफ्रास्ट्रक्चर : पूरे टर्मिनल में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी

- रियल-टाइम क्राउड मैनेजमेंट : स्मार्ट टर्मिनल जो भीड़ को मॉनिटर करेगा।
- सीता एयरपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम और अमाडेयस डिजिटल पैसेंजर एक्सपीरियंस के लिए।
- टेक महेंद्रा द्वारा नेटवर्क और साइबर सिक्योरिटी मैनेजमेंट।
- पर्यावरण अनुकूल डिजाइन : नेचुरल लाइटिंग, एनर्जी एफिशिएंट सिस्टम और नेट-जीरो कार्बन लक्ष्य।
- पहले चरण में एयरपोर्ट 1.2 करोड़ यात्रियों की सालाना क्षमता रखता है, जो भविष्य में और बढ़ाई जाएगी। यमुना एक्सप्रेस वे से सीधी कनेक्टिविटी इसे दिल्ली-एनसीआर के लिए दूसरा प्रमुख गेटवे बनाएगी।
- एविएशन विशेषज्ञों का मानना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट दुबई, लंदन और न्यूयॉर्क जैसे विश्व स्तरीय हब्स की तर्ज पर तैयार किया गया है। यह न सिर्फ दिल्ली एयरपोर्ट के बोझ को कम करेगा बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति देगा।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विमानों के उड़ान भरने का मार्ग पूर्णतः निर्बाध

- सुरक्षा संबंधी अंतिम बाधा दूर, बीसीएएस ने जारी किया एरोड्रोम सुरक्षा कार्यक्रम का प्रमाण-पत्र
- मई के अंतिम सप्ताह में शुरू होगी गाएगी उड़ान, 15 दिनों के अंदर टिकट बुकिंग शुरू होने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा, 28 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के दूसरे बड़े हवाई अड्डे के रूप में विकसित हो रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेवर) से व्यवसायिक उड़ानों के संचालन का मार्ग अब पूरी तरह साफ हो गया है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने सोमवार को हवाई अड्डे के एरोड्रोम सुरक्षा कार्यक्रम (एएसपी) का प्रमाण-पत्र जारी कर दिया है। यह सुरक्षा से जुड़ी अंतिम प्रमुख बाधा थी, जिसके दूर होते ही उड़ानें शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। जल्द ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के अधिकारी विमान संचालन अधिकारियों के साथ बैठक कर विमानों का रूट निर्धारित करेंगे। इसके बाद मई के अंतिम सप्ताह तक घरेलू विमानों का उड़ान शुरू होने की संभावना है, उससे पहले 15 दिनों के अंदर टिकट बुकिंग की प्रक्रिया होगी।

इससे पहले मार्च 2026 में हवाई अड्डे को डीजीसीए से एरोड्रोम लाइसेंस प्राप्त हो चुका था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 28 मार्च 2026 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया था, लेकिन व्यवसायिक पैसेंजर उड़ानें सुरक्षा मंजूरी के अभाव में शुरू नहीं हो पाई थीं। विदेशी मूल के पूर्व सीईओ को लेकर उत्पन्न सुरक्षा संबंधी जटिलता को हल करने के लिए हाल ही में मुख्य वित्तीय अधिकारी नीतू समरा को यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड का अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया, जिसके बाद बीसीएएस की आपत्ति दूर हुई और अंतिम मंजूरी मिल गई।

सुरक्षा प्रमाण-पत्र का महत्व

एरोड्रोम सुरक्षा कार्यक्रम (एएसपी) हवाई अड्डे की समग्र सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करता है। इसमें परिधि सुरक्षा, प्रवेश नियंत्रण, एंटी-हाइजैकिंग उपाय, स्टाफ की पृष्ठभूमि जांच और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी करने की प्रक्रिया शामिल है। बीसीएएस के अनुसार, यह प्रमाण-पत्र किसी भी हवाई अड्डे के व्यवसायिक संचालन के लिए अनिवार्य है। अब हवाई अड्डा प्रबंधन सभी संबंधित पक्षों (एयरलाइंस, डीजीसीए आदि) के साथ समन्वय कर व्यवसायिक उड़ानों के समय-सारणी को अंतिम रूप देने में जुट गया है।

प्रारंभिक मार्ग

पहले चरण में निम्नलिखित प्रमुख शहरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है-

मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, गोवा, लखनऊ, जयपुर, पुणे

प्रारंभ में दिन के समय सीमित संख्या में उड़ानें संचालित होंगी। टिकट बुकिंग उड़ानों के शुरू होने से कुछ सप्ताह पहले शुरू हो सकती है। यात्रियों को इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर की आधिकारिक वेबसाइट पर नजर रखनी चाहिए।

उड़ानें कब शुरू होंगी?

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, मई 2026 के अंतिम सप्ताह में घरेलू उड़ानें शुरू होने की संभावना है। पहले चरण में केवल घरेलू उड़ानें संचालित होंगी, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानें सितम्बर 2026 के आसपास शुरू हो सकती हैं।

लॉन्च एयरलाइंस : इंडिगो पहली उड़ान संचालित करने वाली प्रमुख एयरलाइन होगी। इसके साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस और अकासा एयर भी शुरुआती चरण में शामिल होंगी।

हवाई अड्डे तक पहुंच

जेवर स्थित यह हवाई अड्डा यमुना एक्सप्रेस वे के निकट है। दिल्ली के दक्षिणी हिस्से से पहुंचने में लगभग 60-90 मिनट, सेंट्रल नोएडा से 45-60 मिनट और ग्रेटर नोएडा से 30-45 मिनट का समय लग सकता है। वर्तमान में कैब (उबर/ओला) या टैक्सी सबसे सुविधाजनक विकल्प हैं। भविष्य में आरआरटीएस और नोएडा मेट्रो के विस्तार से कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी।

पहले चरण में हवाई अड्डे की वार्षिक क्षमता लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी। आगे के चरणों में इसका विस्तार कर इसे देश के प्रमुख एविएशन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। कार्गो संचालन भी जल्द शुरू होने की संभावना है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DECCAN CHRONICLE HYDERABAD 28 APRIL 2026

Hoax bomb scare at RGIA, cops on toes

Hyderabad: The Shamshabad airport authorities received a bomb threat mail on Monday morning claiming that explosives had been placed in the terminal and luggage section. This triggered the security protocol under which the CISF, police, bomb disposal squads, and sniffer dog teams scanned the premises. After the sweep was completed, about 45 minutes later, the threat was confirmed to be a hoax, a police officer disclosed. Security teams inspected all corners of the airport, including passenger luggage and terminal areas, before declaring the premises safe.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 29 APRIL 2026

मई में तय होंगी फ्लाइट शेड्यूलिंग और टिकट दरें

जासं, ग्रेटर नोएडा: नोएडा एयरपोर्ट के सुरक्षा प्रोग्राम को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) से सोमवार को स्वीकृति मिलने के बाद विमान सेवा शुरू करने के लिए सभी औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। एयरपोर्ट के लिए फ्लाइट शेड्यूलिंग और टिकट की दरें अगले सप्ताह तक तय हो जाएंगी। इसके साथ ही देश के प्रमुख शहरों के नाम सामने आ जाएंगे, जिनके लिए एयरलाइंस कंपनी विमान सेवा उपलब्ध कराएंगी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यापल) और एयरलाइंस कंपनी के प्रतिनिधियों की अगले सप्ताह होने वाली बैठक में इसका निर्णय होगा।

उड़ानों के लिए तैयार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की यात्री टर्मिनल बिल्डिंग ● जागरण

नोएडा एयरपोर्ट का 28 मार्च को उद्घाटन के बाद से विमान सेवा शुरू करने में एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम को बीसीएएस की स्वीकृति न मिलने के कारण बाधा आ रहा थी। यापल के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन के विदेशी नागरिक होने के कारण एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति नहीं मिल पा रही थी। पिछले सप्ताह यापल ने नीतू सामरा को सीईओ नियुक्त कर अड़चन को दूर कर दिया। सोमवार को बीसीएएस ने एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति दे दी। हालांकि अभी विमान सेवा शुरू होने में तकरीबन एक माह का समय लगेगा, लेकिन अगले सप्ताह नोएडा एयरपोर्ट से फ्लाइट शेड्यूलिंग और टिकट दरें तय हो जाएंगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है शुरुआत में 17 शहरों के लिए इंडिगो, आकासा व एयर इंडिया एक्सप्रेस की प्रतिदिन 60 से 65 फ्लाइट होंगी। भारतीय विमान पत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण ने नोएडा एयरपोर्ट के लिए पिछले साल अगस्त में अनंतिम यूजर चार्ज का निर्धारण किया था। इन्हें पांच साल के लिए तय किया गया है। अंतिम रूप से यूजर चार्ज निर्धारण होने तक पूर्व निर्धारित दरें ही लागू होंगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 29 APRIL 2026

नोएडा एयरपोर्ट में जल्द तय होंगी फ्लाइट शेड्यूलिंग

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- इनके तय होते ही बुकिंग शुरू कर सकेंगे यात्री, उन शहरों के नाम भी सामने आ जाएंगे जहां के लिए उड़ेंगी फ्लाइट
- अगले सप्ताह यापल और एयरलाइंस की होगी बैठक, सोमवार को बीसीएएस ने एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम किया था स्वीकृत

नोएडा एयरपोर्ट के सुरक्षा प्रोग्राम को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) से सोमवार को स्वीकृति मिलने के बाद विमान सेवा शुरू करने के लिए सभी औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। एयरपोर्ट के लिए फ्लाइट शेड्यूलिंग और टिकट की दरें अगले सप्ताह तक तय हो जाएंगी। साथ ही देश के प्रमुख शहरों के नाम सामने आ जाएंगे, जिनके लिए एयरलाइंस कंपनी विमान सेवा उपलब्ध कराएंगी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यापल) और एयरलाइंस कंपनी के प्रतिनिधियों की अगले सप्ताह होने वाली बैठक में इसका निर्णय होगा।

नोएडा एयरपोर्ट का 28 मार्च को उद्घाटन के बाद से विमान सेवा शुरू करने में एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम को बीसीएएस की स्वीकृति न मिलने के कारण बाधा आ रहा थी। यापल के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन के विदेशी नागरिक होने के कारण एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति नहीं मिल पा रही थी। पिछले सप्ताह यापल ने नीतू सामरा को सीईओ नियुक्त कर अड़चन को दूर कर दिया। सोमवार को बीसीएएस ने एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति दे दी। हालांकि अभी विमान सेवा शुरू होने में तकरीबन एक माह का समय लगेगा, लेकिन अगले सप्ताह नोएडा एयरपोर्ट से फ्लाइट शेड्यूलिंग और टिकट दरें तय हो जाएंगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि शुरुआत में 17 प्रमुख शहरों के लिए इंडिगो, आकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस की प्रतिदिन 60 से 65 फ्लाइट होंगी।

जेवर एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ याचिका निस्तारित

विधि संवाददाता, जागरण, प्रयागराज: इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के दूसरे चरण (फेज-2 व फेज-3) के विस्तार के लिए किए जा रहे भूमि अधिग्रहण को चुनौती देने वाली याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने विजयपाल सिंह व 12 अन्य किसानों की याचिकाओं पर अधिवक्ता महेश शर्मा व अन्य को सुनकर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह कानूनी है और इसमें सभी नियमों का पालन किया गया है। कोर्ट ने पाया कि सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजना के लिए आवश्यक 70 प्रतिशत परिवारों की सहमति का मानक पूरा कर लिया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 29 APRIL 2026

NEW STRUCTURE FOR NEXT ROUND OF PRIVATISATION

Cap on Airport Bids may Get Clearance to Land

Centre looking to prevent monopoly in civil aviation

Arindam Majumder & Anuradha Shukla

New Delhi: India is considering a cap on bids by a single entity in the planned privatisation of 11 airports amid growing concern over market concentration and the risk of monopoly in the civil aviation sector, sparked by last year's crisis at IndiGo.

Government officials involved in the process said discussions have begun on ways to structure the bidding rules to encourage competition and prevent crucial infrastructure from getting concentrated in the hands of a single enterprise. The deliberations come ahead of what is expected to be one of the most significant airport privatisation exercises. In the 2018 privatisation round, which didn't have any such limit, Adani Enterprises was highest bidder.

Less Proceeds ▸▸ 6

Less Proceeds

▸▸ From Page 1

This was for all the six airports on offer— in some cases, Adani quoted double the tender amount of the second-highest contender. Jeet Adani, director at Adani Group, has already signalled that the group will aggressively pursue all 11 airports in the new round, making the issue of placing a cap on bids all the more pressing for policymakers.

However, some officials said that setting a strict threshold could make bidders conservative, potentially lowering auction proceeds.

Under one proposal being discussed, a single entity would be awarded a maximum of two blocks — equivalent to four airports. If the same entity tops the bid for a third block, the second-highest bidder would be given the option to match the price.

Officials from the civil aviation and finance ministries and Niti Aayog are working on the framework, with the final call resting with the Public Private Partnership Appraisal Committee (PPPAC), the government body tasked with approving large-scale infrastructure privatisation.

In a first-of-its-kind approach, planned for the latest privatisation exercise, seven smaller airports will be bundled with six larger ones located in similar geographies, with the aim of attracting private investment to also develop the smaller, less commercially attractive facilities. Under this structure, Varanasi will be paired with Kushinagar and Gaya, while Amritsar will be clubbed with Kangra, Bhubaneswar with Tirupati, Raipur with Aurangabad, and Trichy with Hubli.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES DELHI 29 APRIL 2026

बकास से एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम को मंजूरी मिली

नोएडा एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होने का रास्ता साफ

प्रोजेक्ट अपडेट

ग्रेटर नोएडा, प्रमुख संवाददाता। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बकास) ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) को मंजूरी दे दी है। इससे उड़ानें शुरू होने की अंतिम बाधा भी दूर हो गई। सप्ताहभर में विमानों की टिकट बुकिंग सेवा शुरू होने की उम्मीद है।

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (याप्ल) की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया कि बकास ने नोएडा एयरपोर्ट के लिए एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी सोमवार शाम दी गई। यह उड़ानों के लिए अंतिम बाधा थी, जो अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। यह मंजूरी दिखाती है कि एयरपोर्ट पर सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्था पूरी कर ली गई हैं। अब कंपनी एयरलाइंस और अन्य पार्टनर्स के साथ मिलकर उड़ानों की शुरुआत के लिए तारीख तय करेगी।

17 शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की तैयारी

मई अंत तक नोएडा एयरपोर्ट से 17 शहरों के लिए उड़ान शुरू होने की उम्मीद है। पहले सिर्फ घरेलू और कार्गो विमान उड़ेंगे। विमान सेवा शुरू करने के लिए याप्ल ने इंडिगो, एयर इंडिया और अकासा के साथ साझेदारी की है। वहीं, टिकट बुकिंग सेवा शुरू होने के साथ ही शहरों की सूची के नाम का भी खुलासा कर दिया जाएगा।

विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण मंजूर

प्रयागराज/ ग्रेटर नोएडा, विधि संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा एयरपोर्ट के फेज-2 और फेज-3 के भूमि अधिग्रहण के खिलाफ दाखिल याचिकाओं को निरस्तारित कर दिया है। कोर्ट ने माना कि अधिग्रहण की प्रक्रिया भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 के सभी चरणों का पालन करते हुए पूरी की गई है।

यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने 12 अन्य किसानों की याचिका पर उनके अधिवक्ता महेश शर्मा और राज्य सरकार एवं प्राधिकरण के वकीलों को सुनकर दिया है। आबादी की सुरक्षा पर कोर्ट ने यीडा के उस हलफनामे को अपने आदेश का हिस्सा बनाया है, जिसमें कहा गया है कि विस्थापित परिवारों की आबादी वाली जमीन का कब्जा तब तक नहीं लिया जाएगा, जब तक पुनर्वास स्थल पूरी तरह विकसित न हो जाए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 29 APRIL 2026

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा योजना को बीसीएएस की मंजूरी

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 28 अप्रैल।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) से अपनी सुरक्षा योजना के लिए मंजूरी मिल गई है, जो उड़ान संचालन शुरू करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

यह हवाई अड्डे के संचालन की दिशा में अहम पड़ाव है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अगले महीने उड़ानें शुरू हो सकती हैं। नोएडा हवाई अड्डा प्रबंधन के मुताबिक, इस मंजूरी के साथ यह पुष्टि हो गई है कि हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था, प्रक्रियाएं और मानक सभी नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप हैं।

> इस मंजूरी से पुष्टि हो गई है कि हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था, प्रक्रियाएं और मानक सभी नियम के अनुरूप हैं।

प्रबंधन ने बताया कि अब विमानन कंपनियों और अन्य साझेदार एजंसियों के साथ मिलकर व्यावसायिक उड़ानों की शुरुआत के लिए आपसी सहमति से तारीख तय की जाएगी। इसके साथ ही विमानन कंपनियों ने शुरुआत में हवाई अड्डे से 17 उड़ाने शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। मंजूरी के बाद अब टिकट बुकिंग सेवा शुरू करने की प्रक्रिया को भी अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए हैं। अगले कुछ दिनों में विमानन कंपनियां देश में उड़ने वाले शहरों की सूची जारी करेंगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 29 APRIL 2026

Noida Airport gets BCAS nod

NOIDA: Noida International Airport has secured approval for its Aerodrome Security Program (ASP) from the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS). The clearance confirms that the airport's security framework and procedures meet regulatory standards, paving the way for the next phase of preparations before commercial operations begin.

A official for the airport said the focus will now shift to coordinating with airlines and key stakeholders to finalise a mutually convenient date for launch. Officials said systems and staff are being readied for a seamless launch. Nitu Samra has been named interim CEO after BCAS declined approval for Christoph Schnellmann, who moves to vice chairman, as the delayed project nears operations. MPOST

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 29 APRIL 2026

7 दिन में फाइनल होगा किराया

■ NBT रिपोर्ट, ग्रेटर नोएडा

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए खुशखबरी है। नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने का सपना अब हकीकत के बेहद करीब पहुंच गया है। एयरपोर्ट सिक्योरिटी प्लान (ASP) को मंजूरी मिलने के साथ ही अब जेवर के रनवे पर विमानों की गड़गड़ाहट सुनने का इंतजार खत्म होने वाला है। अगले एक सप्ताह के भीतर एयरलाइंस के साथ बैठक कर टिकट की दरें फाइनल कर दी जाएंगी, जिसके तुरंत बाद टिकटों की बुकिंग शुरू हो जाएगी। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी ने एयरपोर्ट के सिक्योरिटी प्लान को अपनी अंतिम मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के साथ ही एयरपोर्ट के कमर्शियल ऑपरेशन में आने वाली सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 28 APRIL 2026

Adani airports launch online duty-free booking service: Adani Airport Holdings has introduced an online duty-free pre-booking service for international passengers, enabling purchases before departure or arrival. The move aims to cut browsing and queue time at airports while offering access to exclusive deals, improving convenience and the overall travel experience across its network.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA BANGALORE 28 APRIL 2026

Noida airport set for June launch

New Delhi: Days after it replaced its expat CEO with Nitu Samra, an Indian, to overcome a regulatory hurdle, Noida International Airport Monday received its final clearance, allowing preparations to begin for commercial launch, **reports Saurabh Sinha**.

IndiGo, Air India Express and Akasa are expected to start selling domestic tickets soon. The first flight is likely to take off in the first week of June.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 29 APRIL 2026

दिल्ली-ग्वांगझू के बीच इंडिगो की सीधी उड़ान सेवा शुरू

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू कर दी गई है। इंडिगो एयरलाइन की दिल्ली से ग्वांगझू जाने वाली फ्लाइट मंगलवार को सफलतापूर्वक चीन पहुंच गई। लंबे समय से बंद पड़ी इस सेवा के बहाल होने से दोनों देशों के बीच यात्रा और व्यापारिक गतिविधियों को नया बल मिलने की उम्मीद है।

एआई तस्वीर

लंबे अंतराल के बाद भारत-चीन के बीच हवाई संपर्क बहाल

भारत-चीन हवाई संपर्क बहाल होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही व्यापार, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी तेज होगा। एयरलाइन अधिकारियों के अनुसार, भविष्य में उड़ानों की संख्या और बढ़ाई जा सकती है। अन्य एयरलाइंस भी अपनी सेवाएं बढ़ा रही हैं। एयर चाइना ने भी बीजिंग-दिल्ली मार्ग पर अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार यह सेवा सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, शुक्रवार और रविवार को संचालित होगी। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने हाल ही में कुनमिंग-कोलकाता के बीच सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू की थी। इससे पहले, नई दिल्ली-शंघाई मार्ग पर भी उड़ानें बहाल की जा चुकी हैं। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 29 APRIL 2026

एयरलाइंस ने सरकार से मांगी राहत

विमान ईंधन महंगा, ठप हो सकती हैं उड़ानें

मुंबई। देश की प्रमुख एयरलाइंस एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने सरकार को आगाह किया कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों के कारण विमानन उद्योग गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो विमानों की उड़ानें निरस्त करनी पड़ेंगी। कंपनियों ने एटीएफ की कीमतों में राहत और वित्तीय मदद की मांग की है।

■ फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से कहा कि तेल की कीमतें बढ़ने से परिचालन लागत बढ़ी है। एटीएफ कुल खर्च का 40 फीसदी हिस्सा होता है। एयरलाइंस ने घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन मूल्य निर्धारण में समानता और 11 फीसदी उत्पाद शुल्क को अस्थायी रूप से हटाने की मांग की। दिल्ली में 25 फीसदी व तमिलनाडु में 29 फीसदी वैट को भी अधिक बताया। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 29 APRIL 2026

विमान ईंधन महंगा, ठप हो सकती हैं उड़ानें, राहत दे सरकार : एयरलाइंस

मुंबई। देश की प्रमुख एयरलाइंस एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने सरकार को आगाह किया कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों के कारण विमानन उद्योग गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो विमानों की उड़ानें निरस्त करनी पड़ेंगी। कंपनियों ने एटीएफ की कीमतों में राहत और वित्तीय मदद की मांग की है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से कहा कि तेल की कीमतें बढ़ने से परिचालन लागत बढ़ी है। एयरलाइंस ने घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन मूल्य निर्धारण में समानता और 11 फीसदी उत्पाद शुल्क को अस्थायी रूप से हटाने की मांग की। दिल्ली में 25 फीसदी व तमिलनाडु में 29 फीसदी वैट को भी अधिक बताया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 29 APRIL 2026

महाराष्ट्र सरकार एयर इंडिया बिल्डिंग के अधिग्रहण के करीब, 1,600 करोड़ फंड दी

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार दक्षिण मुंबई स्थित प्रतिष्ठित एयर इंडिया बिल्डिंग के अधिग्रहण के एक कदम और करीब पहुंच गई है। वित्त विभाग ने लोक निर्माण विभाग (PWD) को 1,600 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए हैं, जिससे एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग लिमिटेड के साथ समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

PWD के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ड्राफ्ट एग्रीमेंट को किसी भी खामी से बचने के लिए जांच (वेटिंग) के लिए भेजा जाएगा और अगले दो हफ्तों के भीतर इस पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। केंद्र सरकार ने मार्च 2024 में 1,601 करोड़ रुपये में इस बिल्डिंग की बिक्री को मंजूरी दी थी, जबकि नवंबर 2025 में राज्य कैबिनेट ने इसके अधिग्रहण को हरी झंडी दी थी। समझौते पर हस्ताक्षर और संपत्ति के हस्तांतरण के बाद राज्य सरकार अंदरूनी मरम्मत कराएगी और 23 मंजिला समुद्र तट से सटी इस इमारत को एक साल के भीतर चालू कर देगी। सरकार का योजना है कि कई सरकारी दफ्तर, जो अभी किराए के भवनों में चल रहे हैं, उन्हें नरिमन पॉइंट स्थित मंत्रालय के पास इस बिल्डिंग में शिफ्ट किया जाए।

मंत्रालय और उसके एनेक्स में जगह की कमी के बीच यह कदम उठाया जा रहा है। 2012 में सचिवालय परिसर में लगी बड़ी आग के बाद कई विभाग शहर के अलग-अलग हिस्सों में चले गए थे, जिससे किराए के दफ्तरों पर खर्च जारी है। अधिकारियों के अनुसार, इस अधिग्रहण से करीब 46,470 वर्ग मीटर कार्यालयी स्थान उपलब्ध होगा, जो राज्य सचिवालय के नजदीक होने के कारण प्रशासनिक कामकाज को सुचारू बनाने में मदद करेगा। 1974 में राज्य सरकार द्वारा एयर इंडिया को लीज पर दी गई पुनर्निर्मित जमीन पर बनी यह इमारत प्रसिद्ध आर्किटेक्ट जॉन बर्गी द्वारा डिजाइन की गई थी और आज भी शहर के वित्तीय जिले की प्रमुख पहचान बनी हुई है। एयर इंडिया ने 2018 में अपना मुख्यालय नई दिल्ली शिफ्ट करने के बाद इस संपत्ति को बेचने का फैसला किया था। शुरुआत में एयरलाइन ने करीब 2,000 करोड़ रुपये की मांग की थी, जबकि महाराष्ट्र सरकार ने 1,400 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। अन्य बोलीदाताओं में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (JNPA) और भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) शामिल थे, जिन्होंने इससे कम बोली लगाई थी, जिससे प्रक्रिया रुक गई थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 29 APRIL 2026

एविएशन • किराया बढ़ाने, उड़ानें घटाने की चेतावनी

एटीएफ 2 लाख/किलोलीटर पार, एयरलाइंस ने राहत मांगी

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट की वजह से विमान ईंधन एटीएफ की कीमतें इस महीने पहली बार 2 लाख रुपए प्रति किलोलीटर से ज्यादा हो गई हैं। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। इसी के चलते एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एआईए) ने नागरिक विमानन मंत्रालय को पत्र लिखकर तत्काल सरकारी मदद मांगी है। एफएआई का कहना है कि एटीएफ की बढ़ती कीमतों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को जारी रखना मुश्किल हो गया है। घरेलू उड़ानों के लिए तेल की कीमतों में 8.5% की बढ़ोतरी हुई है, जबकि चार्टर ऑपरेटरों के लिए यह दाम दोगुने से अधिक हो गए हैं।

सिर्फ 2 माह में दोगुना से ज्यादा महंगा हुआ एटीएफ

तारीख	कीमत	बढ़ी/घटी
दिसं.-25	99677	---
1 जन.-26	92,323	-7.30%
1 फर.-26	91,423	-1%
1 मार्च-26	96,638	+5.70%
1 अप्रैल-26	2,07,341	+114.5%

(कीमतः रुपए/किलो लीटर)

लागतः कुल खर्च में ईंधन की हिस्सेदारी 60% तक

एयरलाइंस के कुल परिचालन खर्च में अब ईंधन की हिस्सेदारी बढ़कर 55-60% हो गई है। पहले यह महज 30-40% हुआ करती थी। कीमतें कम करने के लिए एफआईए ने सरकार से घरेलू एटीएफ पर 11% उत्पाद शुल्क अस्थायी रूप से हटाने की मांग की है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 26 APRIL 2026

किशनगढ़ से लखनऊ और हिंडन के लिए उड़ान शुरू

जयपुर | किशनगढ़ एयरपोर्ट से तीन माह के इंतजार के बाद शनिवार को हिंडन और लखनऊ के लिए हवाई सेवाएं पुनः बहाल हो गई हैं। पहले ही दिन दोनों मार्गों पर 152 यात्रियों ने सफर किया।

एयरपोर्ट निदेशक बीएस मीणा ने बताया कि लखनऊ रूट पर यात्रियों का रुझान हिंडन के मुकाबले अधिक रहा। लखनऊ के लिए जहां कुल 98 यात्री आए-गए, वहीं हिंडन मार्ग पर 54 यात्रियों ने यात्रा की। विमानों के दोबारा संचालन से मार्बल सिटी के व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत मिली है। यात्रियों का कहना है कि इससे समय की बचत होगी और आवागमन सुगम बनेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 27 APRIL 2026

तकनीकी खराबी से एयर इंडिया की पुणे फ्लाइट 40 मिनट देरी से उड़ी

जयपुर | एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर-पुणे फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते देरी से रवाना हुई। फ्लाइट संख्या आईएक्स-2712 जयपुर एयरपोर्ट पर रुटीन जांच के दौरान खराब पाई गई, जिसके बाद इसे ग्राउंड कर दिया गया। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार विमान रात में बैंगलुरु से जयपुर पहुंचा था और यहीं नाइट हॉल्ट पर खड़ा था। सुबह तकनीकी जांच के दौरान समस्या सामने आने पर एयरलाइन ने सेफ्टी को देखते हुए विमान को ग्राउंडेड कर दिया। दरअसल यह फ्लाइट दोपहर 12:40 बजे पुणे के लिए रवाना होनी थी, लेकिन खराबी के चलते एयरलाइन को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी। इसके लिए बैंगलुरु से दूसरा विमान मंगवाया गया, जो आने के बाद फ्लाइट करीब 1:20 बजे पुणे के लिए रवाना हुई। फ्लाइट में देरी से यात्रियों को कुछ असुविधा हुई, लेकिन एयरलाइन ने जल्द ही वैकल्पिक इंतजाम कर लिया। एयरलाइंस प्रबंधन का कहना है कि तकनीकी मामलों में सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाता।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 29 APRIL 2026

एटीएफ सस्ता नहीं हुआ तो थम जाएंगी उड़ानें

घरेलू एयरलाइंस ने विमान ईंधन की कीमतों में भारी उछाल पर जताई चिंता, सरकार को लिखा पत्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पश्चिम एशिया संघर्ष की वजह से बढ़ी हुई उच्च परिचालन लागत से हलकान एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने केंद्र सरकार को संदेश भेजकर परिचालन बंद करने की चेतावनी दी है। घरेलू उड्डयन कंपनियों के संगठन फेडरेशन आफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि पश्चिम एशिया युद्ध के बाद विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में भारी उछाल और घरेलू-अंतरराष्ट्रीय परिचालन में गंभीर असमानता ने एयरलाइंस को बुरी तरह से जकड़ लिया है। एयरलाइंस ने कहा कि अगर तुरंत राहत नहीं मिली तो उन्हें विवश होकर उड़ानें रद करनी पड़ेंगी। विमानन कंपनियां पहले भी कई बार संकट से गुजरी हैं, लेकिन इस तरह से आपरेशन बंद करने की बात पहली बार सामने आई है।

एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइस जेट ने कहा- भारी तनाव से गुजर रहा देश का विमानन उद्योग, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संचालन में एक जैसा पयूल प्राइसिंग सिस्टम लागू किया जाए

एफआइए की तीन प्रमुख मांगें

- अक्टूबर 2022 में तय किए गए 12-22 डालर प्रति बैरल क्रैक बैंड को तुरंत बहाल किया जाए, ताकि तेल मार्केटिंग कंपनियों को उचित मार्जिन मिले, लेकिन विमानन कंपनियों पर बोझ नहीं पड़े।
- एटीएफ पर 11 प्रतिशत उत्पाद शुल्क को अस्थायी रूप से स्थगित या निलंबित किया जाए। देश के सबसे बड़े विमानन हब दिल्ली में जेट पयूल पर दूसरा सबसे ज्यादा 25 प्रतिशत वैट लगता है जबकि तमिलनाडु में यह सबसे ज्यादा 29 प्रतिशत है। दूसरे बड़े शहर, जैसे मुंबई, बेंगलुरू, हैदराबाद और कोलकाता में यह 16 प्रतिशत से 20 प्रतिशत के बीच है। इन छह शहरों से देश की आधी से ज्यादा उड़ानें संचालित होती हैं।
- अगर यह कदम उठाए जाते हैं तो कंपनियों को क्षमता घटाने, नेटवर्क कम करने और कनेक्टिविटी घटाने के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा। एटीएफ के अस्थायी मूल्य निर्धारण (जैसे घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अलग-अलग) से कंपनियों को भारी नुकसान होगा, जिसके परिणामस्वरूप विमान खड़े करने पड़ सकते हैं।

एफआइए ने अपने पत्र में कहा है कि अप्रैल 2026 में घरेलू एटीएफ में सिर्फ 15 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई, जबकि अंतरराष्ट्रीय आपरेशंस में 73 रुपये प्रति लीटर की भारी वृद्धि हुई। इससे पूरा नेटवर्क अलाभकारी हो गया है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 72 डालर प्रति बैरल से बढ़कर 118 डालर प्रति बैरल हो गई है जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में एटीएफ की कीमत 87 डालर से बढ़कर 260 डालर प्रति बैरल तक (295 प्रतिशत का उछाल) जा पहुंची है। क्रैक स्प्रेड (कच्चे तेल की कीमत और एटीएफ कीमत का अंतर) जो कभी 11-18 डालर रहता था, वह अब 132 डालर प्रति बैरल हो गया है। हवाई उड़ान सेवा में ईंधन कीमत की हिस्सेदारी 30-40 प्रतिशत होती है, लेकिन मौजूदा वृद्धि के बाद यह 55-60 प्रतिशत हो गई है। रुपये में कमजोरी ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद कई विमानन कंपनियां संकट में: ईरान युद्ध के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया की एविएशन कंपनियां भारी संकट में हैं। मार्च-अप्रैल 2026 में पश्चिम एशिया से जुड़ीं 60,000 से ज्यादा उड़ानें रद हो चुकी हैं। एअर इंडिया ने अकेले एक महीने में हजारों उड़ानें रद की हैं। एमिरेट्स ने 40 प्रतिशत, कतर एयरवेज ने 62 प्रतिशत, एतिहाद ने 50 प्रतिशत उड़ानें रद की हैं। लुफ्थांसा, कैथेपैसिफिक, सिंगापुर एयरलाइंस, स्कूट जैसी कंपनियों ने भी दुबई, रियाद, बेरूत, तेल अवीव आदि मार्गों पर सेवाएं बंद कर दी हैं।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 29 APRIL 2026

ATF Price Surge Threatens Ops: Airlines to Govt

Our Bureau

Mumbai: India's airline industry has said it is nearing a breaking point as surging jet fuel costs tied to geopolitical tensions threaten to render operations unviable, according to a letter sent by the Federation of Indian Airlines (FIA) to the ministry of civil aviation.

In the April 26 letter addressed to civil aviation secretary Samir Kumar Sinha, FIA, which represents Air India, IndiGo and SpiceJet, said carriers are "under extreme stress and are on the verge [of] closing down or of stopping its operations" due to a sharp spike in aviation turbine fuel (ATF) prices.

ATF prices for international operations have surged disproportionately, rising by ₹73 per litre compared with a capped ₹15 increase for domestic flights, the FIA said. "The April'26 pricing outcomes do not ensure parity between domestic and international operations," the group said, adding that both segments are now "completely unviable."

Fuel now accounts for as much as 55% to 60% of airline operating costs, up from 30% to 40%, after a sharp jump in crude-linked benchmarks.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 29 APRIL 2026

Air Passenger Traffic Up 1.4% in FY26: Icra

MUMBAI India's domestic airpassenger traffic grew 1.4% year-on-year to 1,677.4 lakh in FY26, in line with the Icra's estimate of 0-3%, the agency said on Tuesday. All Indian airlines together had flown a total of 1,653.8 lakh passengers in FY25. For March, domesticairpassengertraffic rose 1% year-on-year to 146.8 lakh, Icra said. Airlines' capacity deployment in March 2026 was 3% lower than a year earlier, the agency said. **–PTI**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 29 APRIL 2026

On verge of ceasing operations: Airlines seek ATF price relief

PRESS TRUST OF INDIA
Mumbai, April 28

AIR INDIA, INDIGO and SpiceJet have told the government that the country's airline industry is under extreme stress and on the verge of "stopping operations", as they sought revision in ATF pricing and financial support.

The West Asia turmoil has pushed up oil prices, and airspace restrictions have increased airlines' operating costs, especially on long-haul routes. Aviation turbine fuel (ATF) accounts for around 40% of a carrier's operational expenses. Against this backdrop, the Federation of Indian Airlines (FIA) has written to the civil aviation ministry, seeking steps to extend the same fuel pricing mechanism uniformly across both domestic and international operations as was done in the past with the establishment of the crack band.

With an unprecedented rise in jet fuel prices and exorbitant crack/differential between crude and ATF, the federation said the operation of airlines is being challenged in totality.

The federation, which represents Air India, IndiGo and SpiceJet, said that "...any ad hoc pricing (domestic vs international) and/or irrational increase in the price of ATF will result in unsurmountable losses for airlines and will lead to grounding of aircraft, resulting in cancellation of flights." "In order to survive, sustain and continue operation, we request your urgent intervention for immediate and meaningful financial support to tide over the current situation," it said in a letter on April 26. Also, the airlines have sought temporary deferment of excise duty on ATF, which is at 11%. Last month, the government limited the hike in ATF price to ₹15 per litre for domestic operations, but for international operations, the price rose by ₹73 per litre.

WAR HIT

- ATF accounts for around **40%** of a carrier's operational expenses
- Last month, govt limited ATF price hike to **₹15 a litre** for domestic operations
- For international operations, jet fuel price rose by **₹73 per litre**
- **Airlines have sought temporary deferment of excise duty on ATF, which is at 11%**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 28 APRIL 2026

Jalgaon gets Delhi flight via Indore

FPJ News Service
JALGAON

After a long wait, a major demand of Jalgaon residents is finally being fulfilled as Alliance Air will launch a commercial flight service connecting Jalgaon to New Delhi via Indore from May 2 on a trial basis. The continuation of the service will depend on passenger response.

District Collector Rohan Ghuge expressed confidence that the new air route would significantly boost the city's industrial, commercial and tourism sectors.

At present, Jalgaon has air connectivity with major cities such as Pune, Mumbai, Goa, Hyderabad and Ahmedabad through Alliance Air and Fly91.

There has been a long-standing demand for flights to Indore, Delhi and Jaipur. A large number of traders and businesspersons frequently travel to Indore, and the new route is expected to benefit them as well as tourists heading to Madhya Pradesh. Union Minister of State Raksha Khadse played a key role in facilitating the service.

The Jalgaon–Indore–Delhi route will operate on Tuesdays, Thursdays and Saturdays from May 2 to May 31. Passengers will be able to reach Delhi in about four hours and Indore in just 40 minutes.

The Jalgaon–Indore–Delhi route will operate on Tuesdays, Thursdays and Saturdays from May 2 to May 31

The service is expected to benefit residents and businesses in Jalgaon, Dhule, Buldhana and the wider Vidarbha region. It is also likely to boost tourism, especially for visitors travelling to the Ajanta Caves.

Meanwhile, a demand is also emerging for an air route connecting Jalgaon, Nashik and Mumbai, especially in view of the upcoming Kumbh Mela rush.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 28 APRIL 2026

Passenger falls ill on Delhi-bound flight; take-off aborted

Our Staff Reporter
BHOPAL

The health of an air passenger deteriorated aboard a Delhi-bound flight on Monday, forcing the pilot to abort take-off. Air India flight AI-1886 was on the runway when the passenger suddenly fell ill.

The aircraft had just exited the apron and reached the runway when the patient's condition worsened. Consequently, the aircraft returned to the stand. After the passenger was de-boarded and provided medical care, the flight departed.

The passenger was taken to a hospital but eventually returned home.

The entire exercise delayed the flight by about half-an-hour. <

The incident occurred around 8 am.

Airport director Ramji Awasthi told Free Press, "A passenger developed some uneasiness just before take-off, so we de-boarded him and provided medical care. He later returned home. Everything else was normal and the flight took off."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES DELHI 29 APRIL 2026

दो माह में तीसरी बार बढ़ सकता है हवाई किराया

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। आने वाले दिनों में हवाई सफर फिर महंगा हो सकता है। विमानन कंपनियों का कहना है कि विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसका असर उनकी लागत पर पड़ रहा है। इसलिए कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बीच एयरलाइंस का संचालन मुश्किल हो गया है।

इस मामले में फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने नागरिक उड्डयन सचिव को पत्र लिखा है और तत्काल मदद की मांग की है। एफआईए का कहना है कि ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आर्थिक रूप से अस्थिर होती जा रही हैं। इससे विमानन सेवा बंद होने की नौबत आ सकती है या फिर कई रूट पर उड़ानें रद्द करनी पड़ सकती हैं।

दो बार पहले भी बढ़ोतरी : विमानन कंपनियों के कुल खर्च में ईंधन का हिस्सा (करीब 40 फीसदी) काफी बड़ा होता है। इसलिए जैसे ही ईंधन महंगा होता है तो कंपनियों द्वारा उसका बोझ यात्रियों पर डाला जाता है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था, जिसके बाद से एटीएफ की कीमतें बढ़ने पर विमानन कंपनियां द्वारा दो बार यात्री किराए में बढ़ोतरी की जा चुकी है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 29 APRIL 2026

{ NOIDA AIRPORT }

Outreach to airlines for ticketing begins

Vinod Rajput
vinod.rajput@htlive.com

GREATER NOIDA: The Noida International Airport has begun outreach to airlines for ticket booking, a day after receiving approval for its Aerodrome Security Programme (ASP) from the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS) — a clearance that starts a mandatory 45-day countdown before commercial flight operations can begin, putting the latest possible start date in the second week of June.

IndiGo, according to a memorandum signed in 2023, will be the launch carrier at the airport, a spokesperson confirmed, with Akasa Air and Air India Express also committed to operating flights. Airlines from the West Asia and Southeast Asia have expressed interest in international routes. "We anticipate most flights to be domestic initially, with international operations starting in a few months as domestic operations stabilise," the spokesperson said.

Initial domestic routes under discussion include Mumbai, Hyderabad, and Kolkata.

The airport said a booking start date has not yet been finalised. Tariff rates approved on an ad hoc basis in August 2025 remain valid until the AERA issues a final tariff order.

The spokesperson said the airport will now "work closely with airlines and partners to finalise a mutually aligned date for the commencement of commercial operations".

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 29 APRIL 2026

{ NEW FRONTIER } TOKYO'S HANEDA AIRPORT HANDLES OVER 60 MILLION PASSENGERS ANNUALLY

Japan Airlines set to deploy robots for baggage handling

A humanoid robot performing a task at Haneda airport.

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: In a novel initiative, Japan Airlines (JAL) will begin deploying humanoid robots for ground handling duties at Tokyo's Haneda airport beginning next month.

The Chinese-made humanoids will handle luggage and cargo movement on the tarmac at Haneda airport, which records more than 60 million passengers a year, The Guardian reported.

JAL is expecting that the trial which ends in 2028 will lessen the burden on employees and tackle future labour shortages.

The airline aims to deploy them on a permanent basis as the country grapples with a rise in inbound tourism and declining working-age population.

According to the Japan National Tourism Organisation, more than 7 million foreign tourists visited the country in the first two months of 2026, after a record 42.7 million last year.

To begin with, the humanoids will manage loading and unloading of cargo containers, JAL and GMO AI & Robotics, its partner in the project, said in a demonstration to the media this week. In the demonstration, a 130cm-tall humanoid manufactured by Hangzhou-based Unitree was seen pushing cargo onto a conveyor belt next to a JAL plane.

Yoshiteru Suzuki, president of JAL Ground Service said humanoids will be able to perform physically demanding work which would "inevitably reduce the burden on workers and provide significant benefits to employees".

Suzuki added, however, that certain key tasks – such as safety management – would continue to be performed by humans.

Tomohiro Uchida, president of GMO AI and Robotics, said, "While airports appear highly automated and standardised, their back-end operations still rely heavily on human labour and face serious labour shortages."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 29 APRIL 2026

Carriers warn of crisis as aviation fuel prices spike

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Federation of Indian Airlines (FIA), representing Air India, IndiGo and SpiceJet, has warned the government of flight cancellations and said the airline industry is on the verge of "stopping operations" due to the surge in aviation turbine fuel (ATF) prices, in a letter dated April 26 seeking urgent government intervention ahead of the next ATF revision on May 1. The FIA said the current ad hoc pricing structure—with domestic and international ATF rates treated differently—was creating a "severe imbalance" in operations and rendering airline networks "unviable and unsustainable."

"Any ad hoc pricing (domestic vs international) and/or irrational increase in the price of ATF will result in insurmountable losses for the airline and will lead to grounding of aircraft resulting in cancellation of flights," the letter said.

On April 1, state-run oil marketing companies initially raised ATF prices for domestic airlines by 114.55%, from ₹96,638 per kilolitre to ₹2,07,341 per KL in Delhi, and for foreign carriers by 107%, from $816.91 per KL to $1,690.81 per KL. Later the same day, the government intervened to moderate the domestic increase to 8.6%, bringing the rate for scheduled carriers such as IndiGo, SpiceJet and Air India down to ₹1,04,927 per KL. International operations, however, bore the full increase.

The airlines said the April pricing had already made international operations unviable and resulted in significant losses. MINT

The airlines said the April pricing had already made international operations unviable and resulted in significant losses.

The West Asia conflict has pushed Brent crude from $72 per barrel to $118 per barrel, the FIA said, with ATF prices—measured as the index MOPAG plus premium—moving from $87.24 per barrel to a high of $260.24 per barrel, a 295% increase, before easing to $235.63 per barrel. The crack differential between Brent and MOPAG, previously in the range of $11-18 per barrel, has widened to $132.59 per barrel.

Since ATF accounts for 30-40% of airline costs, the FIA said, the price surge had pushed fuel's share of operating costs to 55-60%, making operations unviable. Rupee depreciation had compounded the burden, as had rising costs from local suppliers of polymers, petrochemicals and ancillary products linked to petroleum prices. Airlines were also grappling with longer flight paths and higher fuel burn due to airspace restrictions from the West Asia conflict.

"Airlines have been somehow managing operations till date despite rising costs and additional expenses due to airspace closures and intermittent geopolitical disturbances. Now, with an unprecedented rise in ATF prices and exorbitant crack differential between crude and ATF, the operation of airlines is being challenged in totality," the FIA said.

The association made three specific requests. First, it sought a return to the crack band mechanism—a transparent pricing framework with a band of $12-22 per barrel—that was implemented in October 2022 following the Covid-19 period, when the government had supported airlines through a similar adjustment. Second, it requested a temporary deferment of excise duty on ATF, currently levied at 11% on domestic operations. Third, it sought a reduction in value-added tax on ATF in key states—Delhi has the second-highest VAT on jet fuel at 25%, with Tamil Nadu the highest at 29%.

Mark D. Martin, chief executive of Martin Consultancy, an aviation advisory firm, dismissed the letter as a pressure tactic. "Airlines need to find a better alibi in their attempt to pressure the government. India is the only country in the world cushioning jet fuel costs to protect airlines from potential price rises.."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 29 APRIL 2026

'Airlines at shutdown risk amid fuel price shock'

The Hindu Bureau
NEW DELHI

The Federation of Indian Airlines (FIA), which represents Air India, IndiGo and SpiceJet, has warned that the sector is under "extreme stress", with some airlines on the "verge of shutting down", and has sought urgent relief on fuel pricing ahead of the next monthly revision on May 1.

The industry body has proposed a "crack band" pricing mechanism similar to the one introduced during COVID-19, under which oil marketing companies (OMCs) would still recover higher crude costs along with reasonable refining margins. The "crack spread", or the margins oil companies earn for refining crude into jet fuel, has surged dramatically from $11-18 per barrel earlier to over $130 per barrel now, driving ATF prices far above crude oil trends that rose from $72 per barrel to $118, the letter stated. While on April 1 the government tried to provide some relief to airlines by ensuring only a 25% increase in ATF price for domestic flights, the FIA says international services have become "impractical" due to which there were "significant losses".

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 29 APRIL 2026

SOS TO GOVT COMES AS JET FUEL PRICES IN INDIA ARE DUE FOR MONTHLY REVISION EARLY MAY

Airlines cite 'extreme stress', seek changes in ATF pricing formula

Industry body FIA also appealed to temporarily suspend the 11% excise duty on ATF sales for domestic flights

Sukalp Sharma
New Delhi, April 28

AN AIRLINE body representing Indian carriers IndiGo, Air India, and SpiceJet has sent an SOS to the government, urging changes in the pricing formula for aviation turbine fuel (ATF), or jet fuel, whose prices have shot up in the global market amid the West Asia crisis.

ATF prices in India, which are linked to global prices, are due for their monthly revision early May.

In a letter to the Ministry of Civil Aviation (MoCA), the Federation of Indian Airlines (FIA) wrote that the current "ad hoc" pricing mechanism for ATF is "creating severe imbalance in domestic and international operations and rendering airline networks unviable and unsustainable".

"The airline industry in India is under extreme stress and are on the verge of closing down or of stopping its operations. The dire condition of the aviation sector has been exacerbated by the West Asia War and the exorbitant increase in the price of ATF," the FIA wrote in the letter dated April 26, as it sought the jet fuel pricing formula to be reversed to one with margin bands — with a floor and ceiling — for what refiners can charge, and have the same pricing for domestic as well as international flights of Indian airlines.

Usually, ATF prices account for about 40% of Indian airlines' operational costs; the price surge has led to a further increase to 55-60%, according to the FIA.

Indian airlines are also suffering due to airspace restrictions in West Asia and the ban on Indian aircraft from entering the Pakistani airspace, as well the rupee depreciation.

The industry body also urged the Centre to temporarily suspend the 11% excise duty on ATF sales for domestic flights, and work towards reduction in value added tax (VAT), which is quite high in a few states that house the biggest Indian airports.

"While the government of India stepped in last month to prevent the collapse of the aviation sector by limiting the increase of ATF to Rs 15 per litre for domestic operations. However, the ATF pricing for international operations was increased by Rs 73 per litre, making... international operations along with domestic operations completely unviable and resulting in significant losses for the aviation sector in April 2026," the FIA wrote.

The government has imposed an export duty on aviation turbine fuel, or jet fuel to discourage its export. REUTERS

In the last price revision on April 1, the price of the fuel for domestic scheduled flights was hiked only partially by the public sector oil marketing companies (OMCs).

For international flights, however, the full price increase was passed on.

The core issue lies in how jet fuel prices are calculated.

ATF prices in India are linked to the Mean of Platts Arab Gulf (MOPAG), a price assessment by S&P Global based on jet fuel prices in West Asia.

In 2022, a "crack band" of $12-22 per barrel was established to cap OMCs' margins during abnormal price fluctuations. The crack spread is the difference between the price of crude oil and products like ATF derived from it. But this crack band was discontinued in late 2024 mutually by airlines and OMCs. With the global ATF price surge, the airlines want the band to be reintroduced.

The FIA's argument is that it allows "fair and reasonable margin" for the OMCs, while blunting the impact of surging jet fuel prices on the airlines.

The crack differential which was in the range of $11 to $18 per barrel has surged to $132.59 even though the refining cost for converting crude into jet fuel has not really changed, as per the airlines' association.

"The current conflict has pushed the (benchmark) Brent crude from $72/bbl (barrel) to $118/bbl and resultant ATF price (MOPAG + Premium) has moved from $87.24 and touched a high of $ 260.24/bbl (295% increase) and is currently trading at $235.63/bbl," the FIA said.

• COST PRESSURE

USUALLY, ATF prices account for about 40% of Indian airlines' operational costs. But, the price surge has led to a further increase to 55-60%, according to Federation of Indian Airlines

FIA WROTE that the current 'ad hoc' pricing mechanism for ATF is 'creating severe imbalance in domestic and international operations and rendering airline networks unviable'

AIRLINES ARE also suffering due to airspace curbs in West Asia and the ban on Indian aircraft from entering Pakistani airspace

FULL REPORT ON
WWW.INDIANEXPRESS.COM

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 29 APRIL 2026

Air India, IndiGo, SpiceJet seek govt relief on ATF price

West Asia turmoil has raised oil prices and airline costs, especially on long-haul routes

PTI
feedback@livemint.com
MUMBAI

Air India, IndiGo and SpiceJet have told the government that the country's airline industry is under extreme stress and on the verge of "stopping operations", as they sought revision in ATF pricing and financial support.

The West Asia turmoil has pushed up oil prices, and airspace restrictions have increased airlines' operating costs, especially on long-haul routes. Aviation turbine fuel (ATF) accounts for around 40% of a carrier's operational expenses.

Against this backdrop, the Federation of Indian Airlines (FIA) has written to the civil aviation ministry, seeking steps to extend the same fuel pricing mechanism uniformly across both domestic and international operations as was done in the past with the establishment of the crack band.

With an unprecedented rise in jet fuel prices and exorbitant crack/differential between crude and ATF, the federation said the operation of airlines is being challenged in totality. "... any ad hoc pricing (domestic vs international) and/or irrational increase in the price of ATF will result in unsurmountable losses for airlines and will lead to grounding of aircraft, resulting in cancellation of flights," the federation, which represents Air India, IndiGo and SpiceJet, said.

"In order to survive, sustain and continue operation, we request your urgent intervention for immediate and meaningful financial support to tide over the current situation," it said in a letter on 26 April.

Also, the airlines have sought temporary deferment of excise duty on ATF, which is at 11%.

"With the abnormal increase in ATF prices from the pre-crisis period, adding rupee depreciation to the increased prices, the 11% excise duty also increases manifold for the airlines and adds to the ATF price as a big impact on airlines," they said.

Last month, the government limited the hike in ATF price to ₹15 per litre for domestic operations, but for international operations, the price rose by ₹73 per litre.

The airlines said the situation has practically made international operations, along with domestic operations, completely unviable and resulted in significant losses for the aviation sector in April.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 29 APRIL 2026

SAY AIRLINE INDUSTRY ON VERGE OF 'STOPPING OPERATIONS'

AI, IndiGo, SpiceJet seek ATF price relief

MPOST BUREAU

MUMBAI: India's airline industry has warned of a deepening financial strain as surging aviation turbine fuel costs, driven by global crude oil volatility, threaten the viability of both domestic and international operations. In a letter dated April 26 to the civil aviation ministry, the Federation of Indian Airlines, representing Air India, IndiGo and SpiceJet, said the sector is under "extreme stress" and could face a scenario where carriers are forced to halt operations if immediate relief is not provided.

At the centre of the crisis is a sharp rise in jet fuel prices, which have crossed Rs 2 lakh per kilolitre in recent revisions

At the centre of the crisis is a sharp rise in jet fuel prices, which have crossed Rs 2 lakh per kilolitre in recent revisions. Aviation turbine fuel, which typically makes up 30 to 40 per cent of an airline's operating costs, has now surged to as much as 55 to 60 per cent, sharply eroding margins. The increase is linked to escalating global crude oil prices amid tensions in West Asia, along with supply concerns around key routes such as the Strait of Hormuz.

Airlines said the impact has been compounded by currency depreciation and a widening gap between crude oil and ATF prices, known as the crack spread. "Any ad hoc pricing and irrational increase in ATF

Continued on P4

AI, IndiGo

prices will result in unsurmountable losses for airlines and will lead to grounding of aircraft," the federation said, warning of possible flight cancellations if conditions persist.

The industry body pointed to recent pricing disparities as a major concern. While the government capped the increase in ATF prices for domestic operations at Rs 15 per litre last month, rates for international operations rose by Rs 73 per litre. Airlines said this imbalance has made international routes particularly difficult to sustain, even as domestic networks face mounting pressure.

To ease the burden, the federation has sought immediate financial support and policy intervention. Among its key demands is a temporary suspension of the 11 per cent excise duty on ATF, arguing that the tax amplifies cost pressures in an already volatile environment. It has also urged the government to work with states to reduce value-added tax on jet fuel, which varies widely across the country. VAT stands at 25 per cent in Delhi and as high as 29 per cent in Tamil Nadu, while other major aviation hubs such as Mumbai, Bengaluru, Hyderabad and Kolkata impose rates between 16 and 20 per cent. These six cities together account for more than half of India's airline operations.

The federation has also called for the reintroduction of a transparent pricing framework under the previously used crack band mechanism of USD 12 to 22 per barrel, arguing it would ensure more predictable fuel costs and reasonable margins for oil marketing companies.

Airlines said sustained high fuel costs are already straining cash flows and limiting their ability to plan routes and pricing. "In order to survive, sustain and continue operation, we request your urgent intervention," the letter stated.

Industry executives indicated that if prices remain elevated, carriers may be forced to cut capacity, rationalise routes and consider fare increases. For passengers, this could translate into higher ticket prices and reduced flight options, particularly on routes that become financially unviable.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 29 APRIL 2026

Aviation industry SOS as jet fuel prices zoom

Operations unsustainable, warn Air India, IndiGo and SpiceJet

ARSHAD KHAN @ New Delhi

ALARMED by the steep rise in aviation turbine fuel (ATF) prices, IndiGo, Air India and SpiceJet have warned of shutting down operations unless the government intervenes to save the aviation sector, which is already bleeding due to the frequent airspace closures amid the war in West Asia.

The Federation of Indian Airlines (FIA), which represents the three airlines, have written to the civil aviation ministry seeking its urgent intervention to set the same fuel pricing mechanism uniformly across both domestic and international operations. The letter pointed out that this was done in 2022 through the establishment of the 'crack band' mechanism (pricing framework linked to fair refining margins, or 'crack spread', between crude oil and ATF). This was set at $12-22/barrel in 2022.

As global jet ATF prices more than doubled to $180-190/barrel since the war broke out in West Asia on February 28, the Indian government last month limited the hike to ₹15 per litre for domestic operations. However, for international operations, the price rose by ₹73 per litre.

ATF prices account for 30-40% of an airline's overall operating cost. Following the April hike, this percentage band increased to 55-60%.

The letter said the 'irrational increase' in ATF prices will result in 'insurmountable losses' for airlines, grounding of aircraft and cancellation of flights. "In order to survive, sustain and continue operation, we request your urgent intervention for immediate and meaningful financial support to tide over the current situation," said the letter dated April 26.

The airlines are also seeking a temporary suspension of excise duty (currently set at 11%) on ATF and VAT rates in key states.

DAY 60

Crack band

FIA has called for a pricing framework based on the 'crack band mechanism' ($12-22/bbl), which was implemented in October 2022, claiming this leaves room for a reasonable and fair margin for oil marketing companies

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 29 APRIL 2026

एयरलाइंस बोलीं-महंगे तेल से संकट, उड़ान मुश्किल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

देश की प्रमुख एयरलाइंस की संस्था FIA (फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस) ने सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण महंगे होते ATF (जेट फ्यूल) और कुछ देशों के एयर स्पेस बंद होने से लंबे रूट के कारण उड़ानों की लागत नहीं निकल पा रही है। नागर विमानन मंत्रालय को लिखे पत्र में संगठन ने कहा कि कुछ राहत पैकेज मिल जाए तो अच्छा होगा, नहीं तो दबाव इतना ज्यादा है कि एयरलाइंस बड़ी मुसीबत में पड़ सकती है। ऑपरेशंस बंद करने की स्थिति बन सकती है।

उड़ानों में 40% के करीब खर्च जेट फ्यूल का होता है

FIA में एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइस जेट जैसी बड़ी एयरलाइंस शामिल हैं। ये सभी 1 मई को तेल के दामों में बढ़ोतरी की आशंका से चिंतित हैं। हालांकि सरकार ने ऐसी खबरों का खंडन किया है। सूत्रों ने कहा कि अगर संघर्ष लंबा खिंचा तो आने वाले समय में एयरलाइंस को उड़ानों में कटौती करनी पड़ सकती है। खासतौर से असर इंटरनैशनल फ्लाइट्स पर पड़ सकता है। कम यात्रियों वाले घरेलू रूट पर भी कटौती हो सकती है।

एयरलाइंस के संगठन ने केंद्र को खत लिखा, संघर्ष में महंगे होते तेल और लंबे रूट पर चिंता जताई

पत्र में लिखा- एयरलाइंस पर दबाव बहुत ज्यादा है, लागत निकालने को राहत पैकेज जरूरी

AI Image

पश्चिम एशिया संघर्ष अगर लंबा खिंचा तो एयरलाइंस को उड़ानों में कटौती करनी पड़ सकती है।

होर्मुज खोलने की गुहार लगा रहा है ईरान: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर दावा किया कि ईरान ढहने के कगार पर है। वह होर्मुज के समुद्री गलियारे से नाकाबंदी हटाने और इसे जल्द खोलने की गुहार लगा रहा है, जिससे कि जहाजों की आवाजाही फिर सामान्य हो सके। उधर, ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम ट्रंप का दबाव नहीं सहेंगे। अमेरिका अब उस स्थिति में नहीं है कि दूसरे देशों को बताए कि उन्हें क्या करना चाहिए। अमेरिका को अपनी गलत मांगें छोड़नी होंगी। (एपी) ▸▸ पेज 16

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 29 APRIL 2026

एटीएफ कीमतों पर सरकार जल्द से जल्द राहत प्रदान करें

एयरलाईंस संगठनों ने आवाज बुलंद की

मुंबई, (पंजाब केसरी): देश की प्रमुख विमानन कंपनियों ने एटीएफ कीमतों की वजह से विमानन उद्योग के 'अत्यधिक दबाव' में होने का जिक्र करते हुए कहा है कि तत्काल राहत नहीं दिए जाने पर संचालन ठप होने की भी स्थिति बन सकती है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने नागर विमानन मंत्रालय को पत्र लिखकर विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों, करों में राहत और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए समान मूल्य निर्धारण व्यवस्था की बहाली की मांग की है। एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट की भागीदारी वाले इस संगठन ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जबकि कई क्षेत्रों में हवाई क्षेत्र पाबंदियों ने परिचालन लागत और बढ़ा दी है। विमानन कंपनियों के कुल परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा एटीएफ का ही होता है। एफआईए ने 26 अप्रैल को लिखे पत्र में कहा कि किसी भी प्रकार के तदर्थ मूल्य निर्धारण (घरेलू और अंतरराष्ट्रीय के बीच) या एटीएफ की कीमतों में अनुचित वृद्धि से एयरलाइंस को भारी नुकसान होगा और विमान खड़ा करने की नौबत आ सकती है, जिससे उड़ानें रद्द करनी पड़ेंगी। एयरलाइंस ने एटीएफ पर 11 प्रतिशत उत्पाद शुल्क को अस्थायी रूप से स्थगित करने की भी मांग की है। उनका कहना है कि ईंधन की बढ़ी कीमतों और रुपये में गिरावट के कारण लागत और अधिक बढ़ गई है।

THE STATESMAN DELHI 29 APRIL 2026

Airlines seek urgent help from govt over rising ATF prices

FEDERATION OF INDIAN AIRLINES (FIA), COMPRISING AIR INDIA, INDIGO & SPICEJET, WROTE TO MINISTRY OF CIVIL AVIATION (MOCA) REQUESTING URGENT SUPPORT REQUIRED FOR ATF PRICING TO CONTINUE AIRLINES OPERATIONS AMID WEST ASIA CRISIS.

STATESMAN NEWS SERVICE
New Delhi, 28 April

The Indian airlines have asked the government for urgent help as rising aviation turbine fuel (ATF) prices, and said the industry is under extreme stress and are on verge of closing down or stopping its operations.

Federation of Indian Airlines (FIA), comprising of Air India, IndiGo & SpiceJet, wrote to Ministry of Civil Aviation (MoCA) requesting urgent support required for ATF pricing to continue airlines operations amid West Asia crisis.

In its letter to the government, FIA seeks temporary deferment of Excise duty on ATF, reduction of VAT in key states, and reinstatement of crack band in line with Pre agreed formula.

FIA said airline industry in India is under extreme stress and are on verge of closing down or stopping its operations as the ATF Prices for international operations increased by 73 rupees per litre.

FIA said the unprecedented increase in ATF cost has moved the airline's operation from 30-40 per cent to 55-60 per cent creating completely non operatable conditions for airlines. Rupee has also depreciated further to its lowest level, adding additional burden on the airlines in terms of ATF pricing

The recent surge due to the Iran War marked the first time jet fuel prices crossed the Rs 2 lakh per kilolitre level, surpassing previous highs recorded during the global energy crisis following the Russia-Ukraine conflict in 2022. The central government has updated ATF regulations to permit blending with synthesised hydrocarbons under revised fuel standards. The move aims to support sustainable aviation fuel (SAF) development and cleaner long-term alternatives. Crude oil prices rose sharply by 45.5 per cent in March due to the ongoing West Asia crisis.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 29 APRIL 2026

Airlines lobby for fuel cost relief ahead of price revision

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Two days before revision of jet fuel (ATF) prices, the airline industry has sent an "SoS" to the Centre, seeking its "urgent intervention" on fuel pricing.

While commercial carriers had won a reprieve last month on ATF (aviation turbine fuel) prices, with the hike in base price for domestic flights capped at 25% and the same for international flights was more than doubled, the Federation of Indian Airlines (FIA), which represents Air India, IndiGo and SpiceJet, has proposed tax reduction to check price surge, amid high global oil prices.

It has suggested rational ATF pricing, temporary suspension of 11% excise on ATF for domestic operations and reduction of VAT rates in key states. "India's largest aviation hub—Delhi—has second highest VAT at 25%. Tamil Nadu is highest at 29%. Rates at other major aviation hubs of Mumbai, Bangalore, Hyderabad, Kolkata range between 16% and 20%. These six cities cover over 50% of airline operations within India. To ensure uninterrupted operations of airlines within India, FIA requests urgent intervention to review the ATF cost challenges," the lobby group said, while arguing that fuel prices were making airline networks unviable and unsustainable.

ATF accounted for 30-40% of airlines' cost earlier and the band increased to 55-60% after hike in April, "creating completely inoperable conditions". A weaker rupee had added to cost woes.

"Airlines are in a very difficult, precarious and challenging situation. Airlines have been somehow managing operations till date, despite rising cost and additional operation expenses due to airspace closure... In order to survive, sustain and continue operation, we request your urgent intervention for immediate and meaningful financial support to tide over the current situation," the FIA letter added.

"There is a (price) control mechanism for other fuels like diesel and petrol, which is missing for ATF and the price of ATF is significantly high as compared to its production cost. ATF is just 4% of (India's) refinery production. Of the 4% ATF produced in India, only 30% is consumed by its domestic airlines and 20% by international carriers and surplus 50% is being exported," it adds.

High ATF prices "will result in unsurmountable losses for airlines and lead to grounding of aircraft resulting in cancellation of flights."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 29 APRIL 2026

Caught in ATF price turbulence, airlines seek urgent govt relief

SHEKHAR SINGH
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, APRIL 28

The aviation sector has warned of a deepening financial crisis, with airlines flagging that surging aviation turbine fuel (ATF) prices have pushed operations to the edge of viability and could soon impact flight connectivity if urgent government intervention is not announced.

In a letter dated April 26 to the Ministry of Civil Aviation, the Federation of Indian Airlines (FIA), representing Air India, IndiGo and SpiceJet, said the industry was under "extreme stress" and "on the verge of closing down or of stopping its operations" amid mounting losses.

> Say ₹15/litre hike cap has made domestic ops 'completely unviable'

FIA highlighted a sharp and uneven rise in fuel prices, noting that while the government capped the increase in ATF for domestic operations at Rs 15 per litre, international ATF prices were raised by Rs 73 per litre. "This has made international operations along with domestic operations completely unviable and resulting in significant losses," the FIA said, adding that the current pricing structure did not ensure parity between domestic and international operations.

The crisis has been triggered by global geopolitical tensions, particularly the West Asia conflict, which has pushed Brent crude prices from about $72 per barrel to $118 per barrel. ATF prices have surged disproportionately, rising from $87.24 per barrel to as high as $260.24 per barrel, a nearly 295 per cent increase, before easing slightly.

Seeking immediate relief, the airlines' body has urged the government to reinstate the 'crack band' pricing mechanism and has also called for temporary suspension of the 11 per cent excise duty on ATF.